ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

"मैं तुम आत्माओं का पिता तुम्हें पढ़ाने आया हूँ, मैं तुम्हें अपने साथ वापिस ले जाऊंगा"

ऐसे शब्द बोलने की ताकत शिवबाबा के सिवाए किसी भी मनुष्य में नहीं तुम्हें निश्चय है - यह नया ज्ञान नई विश्व के लिए है, जो स्वयं रूहानी बाप हमें पढ़ाते हैं, हम गॉडली स्टूडेन्ट हैं।

Om Shanti

Join Brahma Kumaris

श्रेष्ठ प्रेरणा

जब हम सत्य के मार्ग पर दृढ़ रहते हैं तो हमारी विजय निश्चित करना परमात्मा की जिम्मेदारी बन जाती है क्योंकि इस संसार में हर सत्य स्वयं परमात्मा के सत्य होने का प्रमाण है।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

सारा खेल ही हमारे संकल्पों अर्थात् विचारों का है कि,
हम किस **quality** के **thoughts create** करते हैं...!
क्योंकि,

सोच ही हमें भारी करती है

और

सोच ही हमें हल्का करती है।

अब यह मेरे ऊपर **depend** करता है कि
मुझे कौन-सा संकल्प करना है...?

Peace of Mind

''मेरे को तेरे में परिवर्तन कर बेफिकर बादशाह बनो, सेकण्ड में व्यर्थ को बिन्दी लगाने के अभ्यासी बन हर संकल्प और समय को सफल करो''

आज चारों ओर के अपने बेफिक्र बादशाह बच्चों को देख रहे हैं। ऐसी बेफिक्र बादशाहों की सभा अभी ही दिखाई देती है क्योंकि अभी ही बाप फिक्र लेके बेफिक्र बादशाह बनाते हैं इसलिए यह सभा इस समय ही आपकी दिखाई देती है। अब सभी सवेरे से उठते तो बेफिक्र स्थिति में स्थित होते हैं, खाते पीते, कर्म करते कोई फिक्र नहीं। सोते हैं तो भी बेफिक्र, ऐसे बादशाह और बेफिक्र, उठो सोओ - ऐसे अनुभव करते हो?

- फखुर है तो आपके मस्तक में लाइट की चमक चमकती है। अगर फिकर आ जाता है तो बोझ की टोकरी आ जाती है। बताओ आपको लाइट की चमक अच्छी लगती है वा बोझ की टोकरी?
- बापदादा यही सदा हर बच्चों को शिक्षा देते हैं, सदा मौज में रहना बहुत सहज है। क्या सहज है? सिर्फ हद का मेरापन बाप को दे दो। मेरे से तेरा किया तो बेफिकर बादशाह बन गये। एक ही शब्द का अन्तर है, तेरा.. मेरा। ते और मे, इस शब्द के अन्तर में बेफिकर बादशाह बन जाते।
- अपने संस्कार से अगर फिकर आता हैं तो उसको उस समय ही मेरे के बजाए तेरे में चेंज कर दो। बाप को फिकर दे दो और फखुर ले लो क्योंकि बाप आया ही हैं बच्चों का फिकर लेके फखुर देने। तो चेक करो मेरे में कभी-कभी बहुत समय का संस्कार इमर्ज तो नहीं होता?
- बापदादा कुछ समय से बच्चों को यह बता रहे हैं कि वर्तमान समय के प्रमाण कभी भी कुछ भी हो सकता है और कभी भी हो सकता है इसलिए हर एक बच्चे को अपने को यह अटेन्शन देना है कि एक सेकण्ड में बिन्दी लगाने चाहो तो लगा सकते हो? मानो कोई भी व्यर्थ संकल्प आ जाता तो बिन्दी द्वारा एक सेकण्ड में व्यर्थ को समाप्त कर सकते हो? इतना अभ्यास है? कि उस समय, समय के सरकमस्टांश प्रमाण पुरुषार्थ करके व्यर्थ को मिटाने की आवश्यकता पड़ेगी! लगाओ बिन्दी और लग जाए क्वेश्चन मार्क, क्यों, क्या, कैसे...।

- बापदादा ने पहले भी सुनाया दो बातों का अटेन्शन अण्डरलाइन करो। दो बातें कौन सी? एक संकल्प का खजाना और दूसरा समय का खजाना।
- यह संगम का समय सारे कल्प में अमूल्य विशेष समय है, इस समय ही जितनी प्राप्ति करने चाहो उतनी कर सकते हो क्योंकि यह एक जन्म महान जन्म है। एक जन्म में अनेक जन्मों का प्रालब्ध बनाने का है। संगमयुग का समय एक सेकण्ड भी गंवाना नहीं है। एक सेकेण्ड का कनेक्शन अनेक जन्मों के साथ है।
- संकल्प सर्वशक्तिवान बनाता है। तो बापदादा बार-बार कहते हैं - हे बापदादा के लाडले, दिल में बसने वाले बच्चे अब व्यर्थ खाते को समाप्त करो। सफल करो। सफल करना ही सफलता है। एक सेकण्ड गया, यह नहीं सोचो। हर सेकण्ड, हर संकल्प सफल हुआ, इतना अटेन्शन अपने ऊपर रखना ही है। इतना फुलस्टॉप लगाने की चेकिंग करो। अलबेले नहीं बनना। बापदादा ने कहा था लेकिन हमने समझा नहीं, समय को सोचा नहीं, इतना समय फास्ट जा रहा है, जायेगा। अभी अलबेलापन बापदादा हर एक से लेने चाहते हैं।
- इस नये वर्ष में शुरू होने के पहले ब्राह्मण संसार से अलबेलापन साथ में आलस्य.. आलस्य भी भिन्न-भिन्न प्रकार का है। इसका अभी जो समय पड़ा है वर्ष में, इसमें अभ्यास शुरू करो और जब नया वर्ष शुरू होगा तो बापदादा को हिम्मत रख संकल्प करना और इसको विदाई देना। वर्ष के साथ इसको भी विदाई दे देना। दे सकते हो! दे सकते हो?
- अभी पुरुषार्थ को, संकल्प को और संगम के समय को अण्डरलाइन लगाओ। बाप समझते हैं, जैसे प्यार में अनुभवी बन आगे बढ़ रहे हो ऐसे ही याद की सबजेक्ट में अनेक जन्मों के विकर्म विनाश करने में और अटेन्शन दो।
- बाप चाहता है जब बच्चों का प्यार बाप से है तो साथ रहें। राजधानी में भी ब्रह्मा बाबा के साथ राजधानी में आयें। इसकी परख कैसे करो! जबसे आप आये हो, जितनी आयु आपकी है ज्ञान की, उतने समय में अगर आप बापदादा के दिलतख्तनशीन रहे हैं तो जो ज्यादा समय दिलतख्त पर रहे हैं, मिट्टी में पांव नहीं रखा है वह उस अनुसार रॉयल फैमिली में नजदीक सम्बन्ध में रहेंगे। रॉयल फैमिली वाले रहेंगे। तो प्यार है, तो प्यार वाले साथ में निभाने में पीछे नहीं रहते। जो दिलतख्तनशीन हैं वह द्वापर कलियुग के भी संबंध में रहेंगे। नजदीक रहेंगे। इसलिए प्यार निभाने वाले सदा दिलतख्तनशीन रहो और जन्म-जन्म का हक लो।
- एक सेकण्ड में बीती को बीती कर सकते हो? बीती को बीती कर उड़ो। उड़ने वाले पीछे को छोड़ देते हैं तभी उड़ते हैं।
- **समय आपका इन्तजार कर रहा है, आप समय का इन्तजार नहीं करना। आप समय को जितना समीप लाने चाहो समाप्ति को, उतना समाप्ति को समीप ला सकते हो। समय आने पर तैयार होना यह आप ब्राह्मणों का संकल्प नहीं हो, आप समय को समीप लाओ। समय बाप को कहता, अभी ब्राह्मण आत्मायें मुझ समय को समीप लायें। प्रकृति भी बाप को कहती अभी समाप्ति को समीप लावे। तो डेट फिक्स करना। कब तक?**
- प्रकृति और दु:खी आत्मायें बाप के पास आती हैं, चिल्लाती हैं। तो आप उन्हों को कुछ शान्ति या सुख की अनुभूति कराओ। वह एक सेकण्ड की शान्ति भी चाहते हैं, थोड़ी शान्ति दे दो। जैसे भूखा होता है, तो समझता है कि कुछ भी मिल जाए, थोड़ा भी मिल जाए, तो अभी मन्सा सेवा को भी बढ़ाओ। वाचा की तो चल रही है, बापदादा खुश है। अच्छा, बापदादा ने जो होमवर्क दिया वह याद रखना और रखवाना।

➡ अव्यक्त बापदादा :- 16-12-2022 (रिवा.15-12-2010)

ज्ञान सुनने और सुनाने के साथ-साथ ज्ञान को स्वरूप में लाओ। ज्ञान स्वरूप वह है जिसका हर संकल्प, बोल और कर्म समर्थ हो। सबसे मुख्य बात - संकल्प रूपी बीज को समर्थ बनाना है। यदि संकल्प रूपी बीज समर्थ है तो वाणी, कर्म, सम्बन्ध सहज ही समर्थ हो जाता है। ज्ञान स्वरूप माना हर समय, हर संकल्प, हर सेकण्ड समर्थ हो। जैसे प्रकाश है तो अन्धियारा नहीं होता। ऐसे समर्थ है तो व्यर्थ हो नहीं सकता।

⭐Star Divine⭐

जब बीमारी में किसी के मुंह का टेस्ट खराब होता है ।

तो उसे मीठी खीर भी कड़वी लगती है, हम उससे नाराज नहीं होते। क्योंकि हमें पता है वह बीमार है।

उसी तरह आजकल लोगों के मन का टेस्ट बिगड़ा हुआ है।

सिर्फ इतना सोचे कि वह मन से बीमार है।

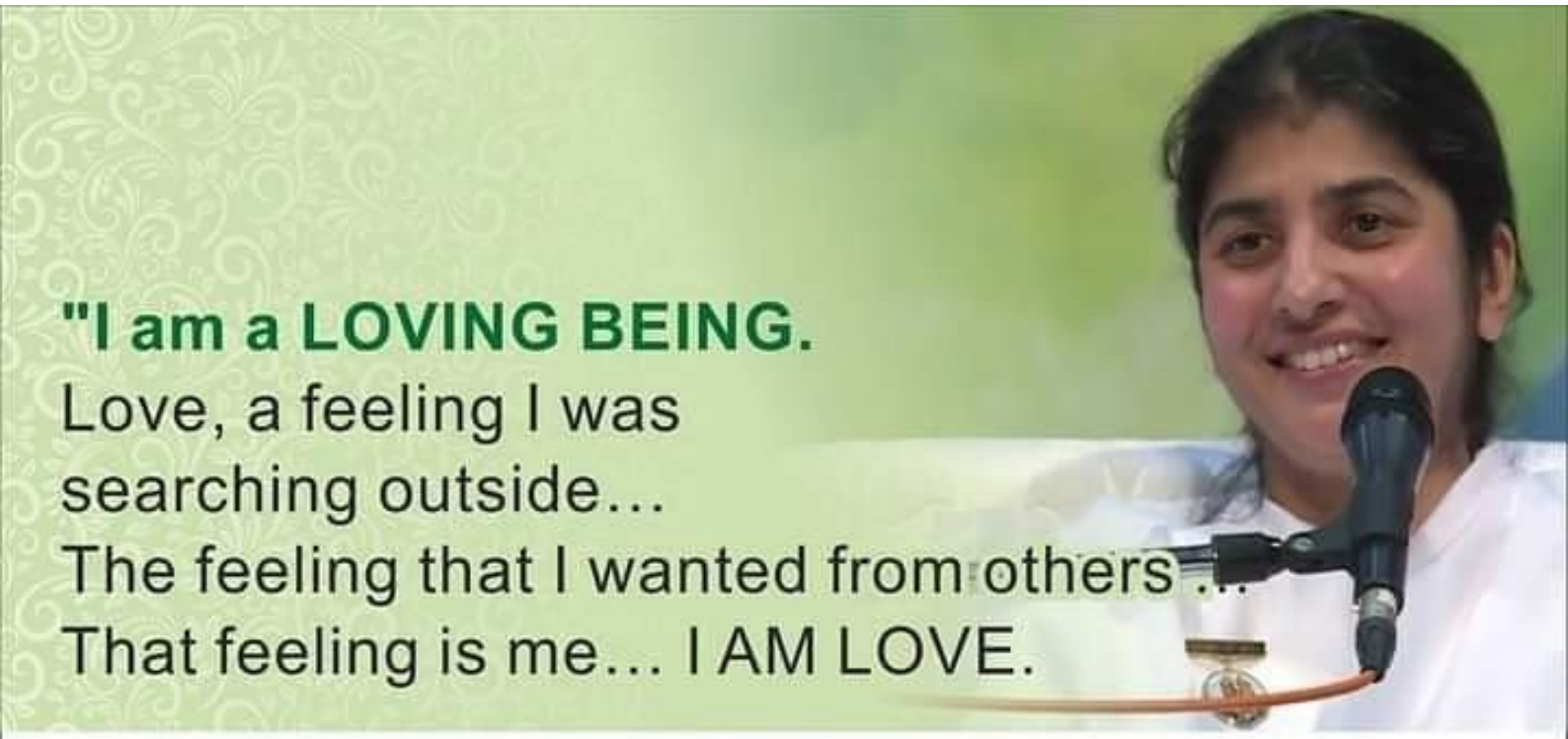

"I am a LOVING BEING.
Love, a feeling I was
searching outside…
The feeling that I wanted from others…
That feeling is me… I AM LOVE.

Love is my nature… I am a Radiator of Love.
I radiate Love & Acceptance to everyone …
Irrespective of who they are… how they behave.

I am the child of God...The Ocean of Love,
I have nothing but Love to give everyone."

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org